Autumn Holiday Homework - Hindi

1) दुनिया में एकमात्र भारत ही ऐसा देश है
जहां प्रकृति के हर रंग को देखा जा सकता है।
यहां एक ओर समुद्र तो दूसरी ओर बर्फीले
हिमालय है।

2) हमारी भाषा बहुत ही सुंदर है
और वो हिंदी है।

3) हमारा देश कितना प्यारा है, अलग - अलग
भाषाएँ, हम सब एकता से हैं। हम सब सदा
कौम को अपनाते हैं।

4) भारत देश की विशेषता यह की हम सब सदा
एकता में हैं।

(5) पावन धारा से हमें समझाते हैं की पवन की धारा जो हमें पवित्र करें

(6) सदा हम कर्मों को अपनाते

(7) शब्द के अर्थ लिखो

प्यारा - प्रिय

अनोखी - अद्भुत

परिवेश - वस्त्र, पोशाक

व्याप्त - पास न होनेवाला

विशेष - असाधारण

मेलजोल - मिलकर रहना

(8) असली सुंदरता गुणवान होने में है। सौंदर्यबोध सदियों से हमारे विचार विमर्श का केंद्र रहा है। साहित्य में तो खास तौर से। प्रकृति से लेकर सोच, विचार आदि तक में सुंदरता की खोज होती है।

(9) मुझे अपना देश अच्छा लगता है क्योंकी भारत एक सुंदर और प्यारा देश है, जहा पर भाईचारा से और सदा कर्मों को अपनाते है।

२०) भारत मे अनेक प्रकार के लोग, वेशभूषा, बोली, रीति रिवाज, त्योहार, खान पान सब अलग-अलग है फिर भी एक भारत है। और अलग-अलग होते हुए भी हम सब भारतीय है।

२१) कविता का साशंश यह है कि हमे अपना देश को सुंदर और प्यारा रखना चाहिए।

२२) वाक्य बनाओ -

अलग - भारत मे अलग-अलग प्रकार के भाषा है।

भारत - भारत एक प्यारा देश है।

मेलजोल - हम सब मिलकर रहते है।

धर्म - हमे ~~सतत~~ धर्म का मारग चुनना चाहिए

२३) क) ① सही

② गलत

ख) विलोम शब्द

① आदर - अनआदर

② गुरु - शिष्य

ग) पर्यायवाची शब्द लिखे :-

① गुरु - शिक्षक, आचारीय

(२) मुख - मुँह ,चेहरा

२४) काकी पाठ का मुल उद्देश्य यह है की वह हर हाल मे चाहता है कि उसकी काकी उसके पास आजाए। उसी पाने के लिए वह भगवान राम के पास पतंग भेजना चाहता है।

२५) श्यामु अपनी काकी को वापस लाना चाहता था क्योंकी श्यामु अपनी काकी से अभीद प्रेम था।

२७.) पेड़ न हो तो हम होंगा सांश नही लेपाते हमें कपड़े नहीं पहन सकते हैं, हम खाना नही सकते हैं हम बिना पेड़ के।

२८.) जंगल के जानवर परेशान थे क्योंकि जंगल मे पानी नही था।

२९.) राजा का चिंता सिरू हाती ने दुर कर दिया।

अनुछेद लेखन - मेरी पहली रेल यात्री

मार्च के महीने में मेरे चौथी कक्षा के पेपर समाप्त हो गए तथा उसके बाद एक महीने की पढ़ाई के बाद मई में मेरी दो महीने की छुट्टियाँ शुरू हो गई। जब मेरे विद्यालय में गर्मियों की छुट्टियाँ हुई तो मेरी माताजी ने हमारे गाँव जाने का कार्यक्रम बनाया जहाँ मेरे दादाजी तथा दादाजी रहते हैं। पहले वहाँ केवल बसें जाती थी परन्तु अब वहाँ रेल का भी साधन हो गया। तथा हमने रेल यात्रा करने की योजना बनाई क्योंकी मैं पहली बार रेल यात्रा कर रहा था इसलिए यह मेरे लिए बहुत रोचक था तथा मेरे अंदर उत्साह भी था।